

8. आज की उपभोक्ता संस्कृति हमारे रीति -रिवाजों और त्योहारों को किस प्रकार प्रभावित कर रही है ? अपने अनुभव के आधार पर एक अनुच्छेद लिखिए। उत्तर:- आज की उपभोक्ता संस्कृति ने हमारे रीति -रिवाजों और त्योहारों को प्रभावित कर रखा है। त्योहारों का मतलब एक दूसरे से अच्छे लगने की प्रतिस्पर्धा हो गई है। नई — नई कम्पनियाँ जैसे इस मौके की तलाश में रहती है। त्यौहार के नाम पर ज्यादा से ज्यादा ग्राहक को विज्ञापन द्वारा आकर्षित करे। पहले त्यौहार में सारे काम परिवार के लोग मिलजुल कर करते थे। आज सारी चीजें बाजार से तैयार खरीद ली जाती है और बचकुचा काम नौकर से करवा लिया जाता है।

- भाषा-अध्ययन
- 9.1 धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। इस वाक्य में बदल रहा है क्रिया है। यह क्रिया कैसे हो रही है धीरे-धीरे। अतः यहाँ धीरे-धीरे क्रिया-विशेषण है। जो शब्द क्रिया कि विशेषता बताते हैं, क्रिया-विशेषण कहलाते हैं। जहाँ वाक्य में हमें पता चलता है क्रिया कैसे, कब, कितनी और कहाँ हो रही है, वहाँ वह शब्द क्रिया-विशेषण कहलाता है। ऊपर दिए गए उदाहरण को ध्यान में रखते हुए क्रिया-विशेषण से युक्त पाँच वाक्य पाठ में से छाँटकर लिखिए
- उत्तर:- 1. धीरे-धीरे सब कुछ बदल रहा है। ('धीरे-धीरे' रीतिवाचक क्रिया-विशेषण) (सब-कुछ 'परिणामवाचक क्रिया-विशेषण')
- आपको लुभाने कि जी-तोड़ कोशिश में निरंतर लगी रहती
 ('निरंतर' रीतिवाचक क्रिया-विशेषण)
- सामंती संस्कृति के तत्व भारत में पहले भी रहे हैं।
 ('पहले' कालवाचक क्रिया-विशेषण)
- 4. अमेरिका में आज जो हो रहा है, कल वह भारत में भी आ सकता है। (आज, कल कालवाचक क्रिया-विशेषण)
- हमारे सामाजिक सरोकारों में कमी आ रही है।
 (परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण)
- 9.2 धीरे-धीरे, जोर से, लगातार, हमेशा, आजकल, कम, ज्यादा, यहाँ, उधर, बाहर — इन क्रिया-विशेषण शब्दों का प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइए।

उत्तर:-

क्रिया-विशेषण	वाक्य
धीरे-धीरे	धीरे-धीरे मेरा उससे परिचय हुआ।
ज़ोर से	पानी ज़ोर से बरसा
लगातार	लगातार पानी बरस रहा है।
हमेशा	संजना हमेशा दौड़ती है।
आजकल	राजू आजकल प्रतिदिन अभ्यास करता है।
कम	हमारा दुख उसके सामने बहुत कम है।
ज्यादा	आज में कुछ ज्य़ादा खा गया था।
यहाँ	वह यहाँ आएगा।
उधर	उसने उधर मुड़कर न देखा।
बाहर	चिड़िया बाहर बिलख रही थी।

9.3.1 नीचे दिए गए वाक्यों में से क्रिया-विशेषण और विशेषण शब्द छाँटकर अलग लिखिए — कल रातसे निरंतर बारिश हो रही है।

उत्तर:- निरंतर, (रीतिवाचक क्रिया-विशेषण) कल रात (कालवाचक क्रिया-विशेषण)

9.3.2 पेड़ पर लगे पके आम देखकर बच्चों के मुँह में पानी आ गया।

उत्तर:- पके (विशेषण) मुँह में (स्थानवाचक क्रिया-विशेषण)

9.3.3 रसोईघर से आती पुलाव की हलकी खुशबू से मुझे ज़ोरों की भूख लग आई।

उत्तर:- हलकी (विशेषण) ज़ोरों की (रीतिवाचक क्रिया-विशेषण)

9.3.4 उतना ही खाओ जितनी भूख है।

उत्तर:- उतना, जितनी (परिमाणवाचक क्रिया-विशेषण)

9.3.5 विलासिता की वस्तुओं से आजकल बाज़ार भरा पड़ा है।

उत्तर:- आजकल (कालवाचक क्रिया-विशेषण) बाज़ार (स्थानवाचक क्रिया-विशेषण)

********* END *******